मुझे खाटू में ही बस जाने दो | by Rupesh Kumar

दरबार तेरा आया तब मुझे समझ आया
कुछ भी नहीं दुनिया में सब कुछ हैं यहाँ माया
मेरी तक़दीर संवर जाने दो मुझे खाटू में ही बस जाने दो
दरबार तेरा आया .....

सोचता हूँ कि बहाना कर दूँ
दोस्तों को मैं रवाना कर दूँ
तेरे दामन छिप के रह जाऊं
मैं किसी को भी नज़र ना आऊं
ज़िन्दगी भर तो यूँ ही भटका हूँ
अपनी शरण में ही रहने दो
मेरी तक़दीर संवर जाने दो.....

कभी तो आप इधर आओगे
कभी तो मुझे नज़र आओगे
मेरी नज़रों से बच ना पाओगे
बिन मिले मुझसे रह ना पाओगे
मैं सुदामा तो नहीं हूँ कान्हा
अपने दास बनके रहने दो
मेरी तक़दीर संवर जाने दो.....

तेरे बिन अब तो रह ना पाऊंगा
ना मिला तू तो मर ही जाऊँगा
नटवर तू बड़ा दयालु है
सुना है तू बड़ा कृपालु है
मुझे पागल कहते हैं सब तो
मुझे पागल ही बनके रहने दो
मेरी तक़दीर संवर जाने दो.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%9d%e0%a5%87-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b9%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a4%b8-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a5%8b-by/